प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह): (क) जी हां। ऐसे एमरजेंसी कमीशन प्राप्त अफसरों को, जो या तो अधिकायु हो गए हैं या जिन्होंने स्थाई कमीशन लेना स्वीकार नहीं किया है या जिन्हें स्थाई कमीशन देने के योग्य नहीं पाया गया है, 1967-70 के दौरान चार बैचों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विमुक्त किया जायगा।

(ख) सरकार ने अखिल भारतीय सेवाओं और विभिन्न केन्द्रीय सेवाओं के प्रथम और द्वितीय श्रेणियों के पदों में उन स्थाई जगहों का कुछ प्रतिशत आरक्षित करने के लिए कदम उठाए हैं, जो कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा और/या इन्टरव्यू के आधार पर भरे जाते हैं और जिनके लिए देश भर के सभी महत्वपूर्ण समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। यह काम प्रत्येक अफसर का अपना है कि वह ऐसे विज्ञापनों को देखें और जिनके लिए वे योग्य हों, उनके लिए आवेदन पत्र भेजें।

बहुत सी राज्य सरकारों ने भी एमरजेंसी कमीशन अफसरों के लिए अपनी सर्विसों में रिक्त स्थानों का कुछ प्रतिशत आरक्षित करने के लिए आदेश जारी किये हुए हैं। इन रिक्त स्थानों के लिए विज्ञापन प्रकाशित होने पर एमरजेंसी कमीशंड अफसरों को स्वयं उपयुक्त प्राधिकारी को आवेदन पत्र भेजना होता है।

जहां तक सरकारी संस्थाओं और निजी फर्मों का प्रश्न है, एमरजेंसी कमीशंड अफसर संबंधित प्राधिकारी को खाली जगहों के लिए सीधे आवेदन पत्र भेज सकते हैं और उसकी एक प्रति पुनःस्थापन महानिदेशक को भेजनी होती है जो अपनी ओर से यह देखेगा कि भर्ती के समय एमरजेंसी कमीशंड अफसरों को प्राथमिकता दी जाये, रक्षा मंत्रालय ने गैर-सरकारी क्षेत्र में बहुत से उद्योगपतियों को लिखा है कि वे अपने यहां यथासंभव अधिक से अधिक एमरजेंसी कमीशंड अफसरों को लगाने का प्रयत्न करें।

(ग) जी हां,

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

भारत तथा आस्ट्रेलिया के प्रतिनिधियों की वार्ता

*282. श्री जगन्नाथ राव जोशी:
श्री हुकम चन्द कछवाय:
श्री राम सिंह अयरवाल:
श्री मधु लिमये:
श्री स० मो० बनर्जी:
डा० राम मनोहर लोहिया:
श्री जार्ज फरनेन्डीज:
श्री हु० प० चटर्जी:
श्री दत्तात्रेय कुंटे:
श्री स० चं० सामन्त:
श्री यशपाल सिंह:
श्री विभूति मिश्र:
श्री क० ना० तिवारी:
श्री म० ला० प्रसाद:

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल में नई दिल्ली में भारत तथा आस्ट्रेलिया के प्रतिनिधियों के बीच तीन दिन तक वार्ता हुई थी; और

(ख) यदि हां, तो उन विषयों का, जिन पर विचार-विमर्श हुआ था यदि कोई करार हुआ है तो, उसका भी ब्योरा क्या है?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला): (क) जी हां।

(ख) बातचीत के दौरान आम तौर पर अंतर्राष्ट्रीय स्थिति और विशेष तौर पर दक्षिण पूर्व एशिया की समस्याओं पर चर्चा हुई थी। ये विषय थे: भारत-पाकिस्तान संबंध, वियतनाम, चीन, आणविक अप्रसारण और हथियार-परिहार, क्षेत्रीय आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग, संयुक्त राष्ट्र तथा राष्ट्र-

मंडल के सामने समान हित के मसले, आम तौर पर दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और वाणिज्य के क्षेत्रों में बढ़ते हुए सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने पर बातचीत हुई।

यह बातचीत एक दूसरे के विचार जानने के लिए हुई थी, कोई औपचारिक करार नहीं हुआ है।

Separate Governor and High Court for Nagaland

*283. **Shri Swell:** Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether the Government of Nagaland have asked for a separate Governor and a separate High Court for Nagaland;

(b) whether the present arrangement of a common Governor and a common High Court with Assam has proved unworkable; and

(c) whether the Government of Nagaland have adduced reasons for their request?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

Indian Navy

*284. **Shri K. Haidar:** Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) the steps taken to develop and modernise the Indian Navy; and

(b) the progress so far made in this respect?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) and (b). Steps to develop and modernise the Indian Navy are under constant review and implementation. It would not be in the public interest to disclose the details.

मेकमोहन रेखा पर विसैन्यीकृत क्षेत्र

*285. **श्री हरदयाल देवगुण :** क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार चीन द्वारा 1962 के आक्रमण के बाद मेकमोहन रेखा के भारत की ओर की सीमा में बनाये गये विसैन्यीकृत क्षेत्र को मानती है; और

(ख) क्या भारतीय सेना उत्तर पूर्व क्षेत्र में मेकमोहन रेखा की रक्षा कर रही है?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री म० क० चागला) : (क) जी नहीं।

(ख) जी हां।

Radar System

*286. **Shri D. C. Sharma:**
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Bhogendra Jha:
Shri Maharaj Singh Bharati:
Shri C. K. Bhattacharyya:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri K. N. Pandey:
Dr. Mahadeva Prasad:

Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of U. S. A. is eager to complete the radar system provided in the military aid package to India after the Chinese attack; and

(b) if so, the steps taken in the matter?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) and (b). The Government of the U.S.A. have offered under their Military Credit Sales Programme certain communications equipment for use with the radars supplied by them. The offer is under consideration.